

सनय वि. (तत्.) जो नीतियुक्त हो, नीतिपूर्वक जैसे- सनय विचारण।

सनसनाना अ.क्रि. (अनु.) तेज हवा के चलने से, गतिशील पदार्थ में हवा लगने से 'सन सन' की ध्वनि उत्पन्न होना।

सनसनाहट स्त्री. (देश.) तेज हवा के चलने से जल के उबलने आदि से उत्पन्न होने वाली 'सन सन' की आवाज।

सनसनी स्त्री. (तत्.) 1. किसी भय, आश्चर्य या किसी दुःखद घटना के कारण उत्पन्न होने वाली स्तब्धता, सन्नाटा, उत्तेजना या घबराहट 2. शरीर के अंगों का एक प्रकार का स्पंदन जिसमें कोई जड़ हुआ अंग सनसन करता हुआ जान पड़ता है 3. झुनझुनी।

सनाढ्य पुं. (तत्.) ब्राह्मणों की एक उपजाति जो प्रायः पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कुछ जनपदों में पाई जाती है।

सनातन वि. (तत्.) जो बहुत पहले से चला आ रहा हो, जो सदा रहने वाला हो, नित्य, अनादि पुं. 1. ब्रह्मा 2. विष्णु 3. शिव 4. पितरों का अतिथि 5. ब्रह्मा का एक मानसपुत्र।

सनातनता स्त्री. (तत्.) सनातन होने का भाव।

सनातन धर्म पुं. (तत्.) 1. आदिकाल से प्रचलित वह परंपरागत धर्म, जिसमें वेद-पुराणों, शास्त्रों, स्मृतियों आदि की मान्यता प्राप्त है 2. प्राचीन काल से प्रचलित वह वैदिक धर्म जिसमें ईश्वर की साकार और निराकार रूप में उपासना की जाती है।

सनातनधर्मी वि. (तत्.) 1. सनातन धर्म की मान्यताओं को मानने वाला 2. सनातनधर्म से संबंधित।

सनातन पुरुष पुं. (तत्.) 1. आदि पुरुष, परमात्मा 2. विष्णु।

सनातनी वि. (तत्.) 1. सनातन धर्म का अनुयायी स्त्री. 1. लक्ष्मी 2. दुर्गा 3. पार्वती 4. सरस्वती।

सनाथ वि. (तत्.) 1. नाथ (स्वामी) के सहित जैसे- यह बाल सनाथ आया है वि. 2. जो नाथ युक्त

हो, जिसका कोई माता-पिता, अभिभावक, या रक्षक हो 3. कृतार्थ, कृतकृत्य विलो. अनाथ जैसे- जो कदापि मोहि मारिहैं तौ पुनि होब सनाथ मुहा. सनाथ करना- किसी को आश्रय प्रदान करना।

सनाथा स्त्री. (तत्.) वह स्त्री जिसका पति जीवित हो, सौभाग्यवती, जीवत्भर्तृका।

सनाभ पुं. (तत्.) सहोदर, सगा भाई, सगा-संबंधी।

सनाभि वि. (तत्.) 1. नाभि से युक्त 2. समान केंद्र वाले जैसे- पहिये के आरे 3. सहोदर, सगा सपिंड, समान, सदृश पुं. सगाभाई, वंश परंपरा में सातवीं पीढ़ी तक का संबंधी।

सनाय स्त्री. (तत्.) एक औषधीय क्षुप जिसकी कड़वी छोटी पत्तियाँ रेचक होती हैं, यह पौधा लगभग तीन फुट लंबा होता है।

सनासन अव्य. (देश.) 'सन सन' करते हुए।

सनाह पुं. (देश.) कवच, बख्तर।

सनिद्र वि. (तत्.) जो निद्रा में हो, निद्रा युक्त, सोया हुआ।

सनीचर पुं. (तत्.) 1. शनि देवता, शनि ग्रह, सप्ताह का सातवां दिन 2. ला.अर्थ आलसी या मनहूस व्यक्ति वि.लाक्ष. अशुभ, धीरे धीरे काम करने वाला।

सनीचरी वि. (तत्.) 1. शनि संबंधी 2. शनिवार से युक्त कोई तिथि जैसे- शनीचरी अमावस्या, ज्योतिष शनि की महादशा।

सनेही वि. (तत्.) 1. स्नेह करने वाला, स्नेही, प्रेमी 2. चिकनाई युक्त पुं. प्रेम करने वाला व्यक्ति।

सनोवर पुं. (तत्.) चीड़ का पेड़।

सनौढ़िया पुं. (तत्.) सनाढ्य ब्राह्मण।

सन् पुं. (अर.) वर्ष, साल।

सन्न वि. (तत्.) 1. भय या किसी अनहोनी से स्तब्ध, भौंचका 2. बैठा हुआ, गतिशील, स्थिर 3. सिकुड़ा हुआ 4. क्षीण, नष्ट 5. निकटस्थ 6.